पहचानें मन की अद्भुत शक्ति को

किसी भी सेवा में मन की शक्ति का प्रयोग करना है तो कैसे करें? उसके लिए आज हम कुछ बातों पर छोटे-छोटे अनुभव रखते हुए आपको बताना चाहेंगे कि चाहे छोटी बात तो या बड़ी बात, हर जगह मन के संकल्पों का चमत्कारिक प्रयोग किया जा सकता है।

जैसे जब हम कोई कार्यक्रम को प्लैन करते हैं, डिज़ाइन करते हैं, तो उसमें एक-एक चीज़ का सबसे पहले हम विज़न बनाते हैं। जैसे हमें हॉल बुक करना है, साउण्ड सिस्टम अरेंज करना है, माइक चाहिए, कार्ड्स चाहिए, बैनर चाहिए, बैक ड्रॉप चाहिए। अब ये सारी चीज़ें जो हम कागज़ के ऊपर बनाते हैं, एक-एक चीज़ के बारे में लिखते हैं, उसी समय से आपका विज़न बनना स्टार्ट हो जाता है कि टेंट वाले को कितनी चेयर बोलनी है, स्टेज कैसा बनवाना है, कौन सी चीज़ कहाँ होनी चाहिए। उसी तरह साउण्ड वाले से कौन सा माइक चाहिए, कौन सा गीत बजवाना है। अब आप देखो कि कितना बड़ा साइंस काम कर रहा है कि जैसे ही हमने कागज़ के ऊपर संकल्प किया, बस बनाया ही है, कुछ बोला नहीं है, तो भी तभी से ही वो संकल्प हर जगह पहुंच कर काम करना शुरु कर देता है।

वो अपने आप टेंट वाले को जाकर टच करता या उसको फील होता कि मुझे इतनी चेयर ले जानी है, इतने बजे पहुंचना है, इतने बजे हॉल तैयार कर के दे देना है आदि आदि। क्योंकि लगातार आपसे ये संकल्प वहाँ पहुंच रहे हैं। अब देखिये, तैयारी तो आप स्थूल रूप से कर रहे हैं, लेकिन सूक्ष्म रूप से वो आसानी से एक्ज़ीक्यूट होता चला जा रहा है। यही तो है संकल्प शक्ति। हो सकता है कि कई बार हम इतने सालों के बिलीफ सिस्टम के कारण कुछ संकल्पों के लिए रिजिड हो जायें, उदाहरण के लिए जैसे कइयों का अनुभव है कि टेंट वाले ठीक से टेंट नहीं लगाते, अब उन्होंने इसी आधार पर संकल्प करना शुरु किया किसी के कहने से, तो वो काम करेगा थोड़ा-बहुत लेकिन अंदर एक डर सा रहेगा कि हर बार तो वो टेंट ठीक से नहीं लगाता, इस बार भी लगायेगा कि नहीं पता नहीं। अब ये सारे संकल्प भी तो जा रहे हैं ना वहाँ पर। इसलिए हो सकता है कि हो भी जाये और हो सकता है ना भी हो क्योंकि आपके अंदर कन्फ्यूज़न है। इसलिए कोई भी कर्म करने से पहले जो भी संकल्प करेंगे वो संकल्प काम करने लग जायेंगे लेकिन पुराने बिलीफ सिस्टम को जब हम हटायेंगे तब। हर एक संकल्प की अपनी फ्रिक्वेंसी होती है। उसमें साथ-साथ ये भी देखना है कि हमारे संकल्प के पीछे हमारा मकसद क्या है, हमारा मंतव्य क्या है। अगर मकसद अच्छा है तो संकल्प पूरे ना हों ये हो नहीं सकता। अगर व्यक्ति हर समय इन संकल्पों का प्रयोग कुछ रचनात्मक करने में करे तो इसमें चमत्कारिक परिणाम निहित हैं क्योंकि संकल्प एक ऐसी ऊर्जा है जिससे विश्व परिवर्तन का कार्य हो रहा है।

ओमशान्ति मीडिया वर्ग पहेली-18(2018-2019)

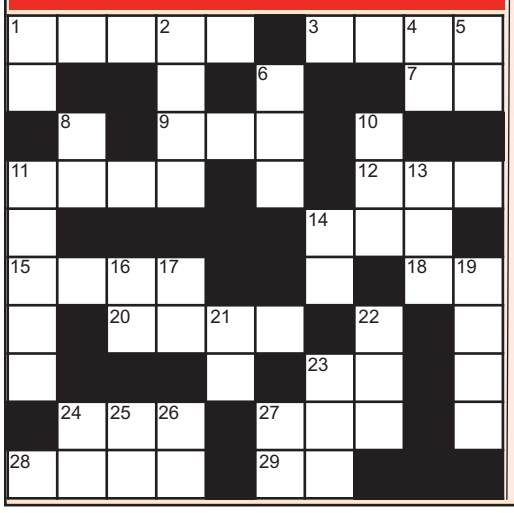

ऊपर से नीचे

1. एक प्रकार का अन्न जिससे रोटी बनती है (2)
2. जल्दी, तुरंत, अतिशीघ्र (4)
4. नज़दीक, करीब (2)
5. जल, पानी (2)
6. बुद्धि पर सदा अटेन्शन का....रखो, चौकीदारी (3)
8. महाराणा प्रताप का मुख्य अस्त्र-शस्त्र (2)
10. अन्त समय में पुरानी दुनिया के...को आग लगनी है (3)
11. जायदाद, सम्पत्ति (5)
13. फूलदान, जिसमें पौधा लगाया जाता है (3)
14. गर्दन, कंठ (2)
16. यमराज, मृत्यु के देवता (2)
17. परत, पेंदा, तली (2)
19. सिधाई, शिष्टता, भद्रता (4)
21. रवि, भानु, भास्कर (2)
22. समाप्त, खत्म (3)
23. गेहूँ, सोना (3)
24. विजय...में पिरोने के लिए पढ़ाई पर अटेन्शन देना है (2)
25. विजय, जीत (2)
26. निशा, रात्रि, रजनी (2)
27. हार, पराजय (2)

बाएं से दाएं

1. सन्यासी पहनावा, गेरुवा पहनावा (5)
3. थोड़ा सा पानी,अर्ध अंजली जल (4)
7. सिर, मस्तक (2)
9. जीत, विजय (3)
11. खोट, अपमिश्रण, घपला (4)
12. धर्मराजपुरी में सजाओं की...भोगनी पड़ेगी, भुगतना (3)
14. तपत, गरमाइस (3)
15. मितव्यय, कमखर्ची, बचत (4)
18. शव, मृतदेह (2)
20. अनुभूति, अनुभव (4)
23. योग्यता, हुनर (2)
24. रहस्य, राज़ (3)
27. मनोभाव, मानसिक या विचार (3)
28. विदेश, पराया देश (4)
29. जब...जीना है ज्ञान अमृत पीना है (2)

-ब्र.कु. राजेश, शान्तिवन

देहरादून-उत्तराखण्ड। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर जन-जन को नशा मुक्ति के प्रति जागरुक करने हेतु शिव ध्वज लहराकर रैली को रवाना करते हुए कृषि मंत्री सुबोध उनियाल। साथ हैं ब्र.कु. मंजू तथा अन्य।

सदाबाद-उ.प्र.। शिव शक्ति भवन में 'सकारात्मक सोच द्वारा स्वर्णिम समाज' विषय पर कार्यक्रम के दौरान ब्र.कु. राजू,उपाध्यक्ष,ग्राम विकास प्रभाग को सम्मानित करते हुए हिंदी साहित्य सेवा संघ,सदाबाद के पदाधिकारी कवि नूर मोहम्मद नूर, राम बाबू पिप्पल, जय प्रकाश पचोरी तथा डॉ. सुरेश सदाबादी। साथ हैं ब्र.कु. सीता।

रोपड़-पंजाब। नवनिर्मित मेडिटेशन हॉल का रीबन काट कर उद्घाटन करते हुए एस.डी.एम. हरजोत कौर, ब्र.कु. प्रेमलता तथा अन्य।

अजमेर-राज.। रेड क्रॉस सोसाइटी में 'अलविदा तनाव' कार्यक्रम के दौरान पोस्ट मास्टर जनरल को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. विजया बहन। साथ हैं ब्र.कु. आशा, ब्र.कु. रमेश तथा डॉ. आनंद अग्रवाल।

बहल-हरियाणा। धूम्रपान निषेध दिवस पर बस स्टैंड पर लगाई गई नशा मुक्ति प्रदर्शनी का रिबन काटकर शुभारम्भ करते हुए मार्केट कमेटी के चेयरमैन सुशील केडिया, ब्र.कु. शकुन्तला, ब्र.कु. पूनम तथा अन्य।

कूचबेहर-प.बंगाल। पुतिमारी गांव में ब्रह्माकुमारीज़ गीता पाठशाला का उद्घाटन करते हुए ब्र.कु. संपा तथा अन्य। शरीक हुए समाज के मुखिया रतन जी, जोयधर बर्मन तथा डॉ. स्वप्न।

टूण्डला-रामनगर(उ.प्र.)। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर 'मेरा भारत व्यसन मुक्त भारत' रैली के दौरान जन-जन को व्यसन के प्रति जागरुक करते हुए ब्र.कु. विजय बहन। साथ हैं ब्र.कु. तनु तथा अन्य पुलिस कर्मी।

भदोही-उ.प्र.। 'मेरा भारत स्वर्णिम भारत अभियान' के भदोही पहुंचने पर सेवाकेन्द्र में आयोजित कार्यक्रम में मंचासीन हैं यात्रा प्रभारी ब्र.कु. गीता, ब्र.कु. हितेश, ब्र.कु. विजयलक्ष्मी तथा ब्र.कु. ब्रजेश।